मूंगफली के छिलके से भरा ट्रक पलटा, दम्पती सहित बेटी की मौत

24 घंटे तक मूंगफली के छिलकों में दबे रहे पति-पत्नी और ढाई साल की बेटी

तीनों के शव मिले तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

मृतक दम्पती व बेटी की फाइल फोटो।

- हादसे के बाद इनके फोन बंद हो गए और परिजनों को उनकी कोई खबर नहीं मिली

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा के धाराजी घाटे में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक पति-पत्नी और उनकी ढाई साल की बेटी की मौत हो गई। हादसा रविवार सुबह हुआ, जब राजेंद्र गुर्जर अपनी पत्नी अनू गुर्जर और बेटी अयांशी के साथ अजीतगढ़ स्थित जगदीश धाम मंदिर जा रहे थे। धाराजी घाटी पर मूंगफली के छिलके से भरा हुआ ट्रक अचानक पलट गया, जिससे राजेंद्र, अनू और अयांशी उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद इनके फोन बंद हो गए और परिजनों को उनकी कोई खबर नहीं मिली।

अजीतगढ़ थानाधिकारी मुकेश सेपट ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और ट्रक के आगे का हिस्सा हटा दिया था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे जब मूंगफली के छिलके हटाए जा रहे थे तो तीनों के शव वहां नीचे दबे हुए मिले। सोमवार को जब तीनों के शव मिले तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे।

ग्रामीणों ने शाहपुरा-अजीतगढ़ रास्ते पर जाम लगा दिया और शव उठाने से इंकार कर दिया। बताया जा रहा है कि अनू प्रेग्नेंट भी थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार यही कह रहे हैं कि अगर पुलिस समय पर पहुंच जाती तो शायद तीनों की जान बच सकती थी। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रही है।

किशनगढ़ बास में बारिश से सड़कें जलमग्न

किशनगढ़ बास में आधे घंटे हुई बारिश से बाजार में पानी भर गया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। करीब 30 मिनट की बारिश ने नगर पालिका की ओर से मानसून को देखते हुए नालों की सफाई के लिए छोड़े गए लगभग 25 लाख रुपए के टैंडर की पोल कर रख दी है। गंज रोड, मुख्य बाजार, अनाज मंडी सहित अनेक सड़कें पानी से जलमग्न दिखाई देने पर आमजन को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं लोग नगर पालिका को निष्क्रियता पर कोसते नजर आए।

नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता पार्षद उमेश यादव नगर पालिका अधिकारियों की कार्यशैली और शहर में हो रही सफाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि नालों की सफाई मानसून के आने से पहले नगर पालिका को टैंडर कर शुरू करनी थी अब जब मानसून आ गया है तो औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सफाई कराई जा रही है जो कि नगर पालिका की बदनियती को साफ दर्शाता है। पार्षद यादव ने कहा है कि 25 लाख रुपए का नाला सफाई का टैंडर होने के बाद भी दुकानदारों को 2 से 3 हजार रुपए देकर अपनी-अपनी दुकान के आगे निजी कर्मचारी लगाकर नालों की सफाई करानी पड़ रही हैं। सोमवार को सायं करीब पांच बजे बारिश का दौर शुरू हुआ जो आघा घंटे रहा। इस थोड़ी सी देर की बारिश से चारों ओर शहर की सड़कों पर पानी भर गया। पैदल राहगीरों भारी परेशानी उठानी पड़ी। गौरतलब बात यह है कि ढेड़ घंटे बाद तक गंज रौड और मुख्य बाजार की सड़क पर पानी भरा रहा।

बंदी की उपचार के दौरान मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला जेल में पॉक्सो कोर्ट में सजायप्ता बंदी की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिला जेल में 2021 के पॉक्सो के मामले में जेसी पर चल रहे आशिक पिता मोहम्मद इब्राहिम की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। आशिक का एमजी हॉस्पिटल के आईसीयू में उपचार चल रहा था, इसी बीच अचानक उसकी इलाज के दौरान ही मौत हो गई। एमजी चौकी पुलिस ने परिजनों को इसकी सूचना दी और मृतक के शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। बताया जा रहा है कि बंदी आशिक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

टीडीनाथ आश्रम में लेपर्ड के आने की आशंका

- पदचिन्हों और खून के निशान से हड़कंप मचा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर के पुराने कोर्ट रोड स्थित टीडीनाथ आश्रम में बीती रात वन्यजीव की आमद से सनसनी फैल गई। आश्रम के पूरे परिसर में खून के निशान और जानवर जैसे पैरों के पदचिन्ह मिलने के बाद लेपर्ड (तेन्दुआ) के आने की आशंका जताई गई है।

बाबा धर्मगिरी ने बताया कि रविवार देर रात आश्रम में लाइट नहीं आने की वजह से 9:30 बजे सो गया था। सोमवार अल सुबह तीन बजे जब उठा तब दुर्गंध आने महसूस हुई जिस पर लाइट जलाकर देखा तो मंदिर परिसर में चारों तरफ खून के धब्बे दिखे। उन्होंने आश्रम परिसर में कई स्थानों पर खून के धब्बे और जंगली जानवर के पैरों के निशान देखे। तुरंत ही यह सूचना अन्य श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को दी गई, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि लेपर्ड ने किसी पालतू या जंगली जानवर का शिकार कर लिया होगा। सूचना मिलने के करीब डेढ़ घंटे बाद वन विभाग की टीम के वनरक्षक मंगल सिंह मौके पर पहुंचे वनपाल ने पदचिन्हों का निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई कि ये निशान लेपर्ड के न होकर जरख (जंगली जानवर) जैसे प्रतीत हो रहे हैं। जिनके पगमार्ग सोनी कॉलोनी तक देखे गए।

मांगरोल उपखण्ड क्षैत्र में सात इंच बरसात हुई

मांगरोल, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र में पहले मानसून में सोमवार को सुबह आठ बजे से लेकर शाम को पांच बजे तक 180 एमएम (सात इंच) बरसात हुई। बरसात होने से चारों ओर पानी ही पानी नजर आया। माँगरोल क्षेत्र में आसपास के गांव के खेतों में पानी ही पानी नजर आ रहा है। यहां तक कि भोज्याहेडी गांव के पलड़ा नाले में उफान आया। बरसात में पानी आने के कारण कच्छा बाई पास रोड की मिट्टी बह गई जिससे संपर्क टूट गया, जबकि इस गांव के लिए नई पुलिया का निर्माण अभी चल रहा है। मांगरोल और क्षेत्र में पार्वती नदी उफान पर चल रही है और मांगरोल बांण गंगा नदी में भी जलस्तर बढ़ रहा है। कई निचली बस्तियों में बारिश का पानी भर गया।

करंट से डॉक्टर की मौत का मामला: मकराना में अंतिम संस्कार हुआ

- डॉक्टर की मौत के मामले में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी
- रेजिडेंट्स का कॉलेज परिसर में प्रशासन के खिलाफ आंदोलन जारी, एफआईआर दर्ज
- परिवार का पहला डॉक्टर और पीजी में गोल्ड मेडलिस्ट था डॉ. रवि

उदयपुर, (का.सं.)। आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज उदयपुर में डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से मौत के मामले में परिवार ने कॉलेज, हॉस्पिटल और हॉस्टल के लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। डॉ. रवि शर्मा की मौत के मामले में उनके चाचा देवीकिशन शर्मा ने हाथीपोल थाने में शिकायत दी। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की मौत के मामले में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल सोमवार को पांचवें दिन भी जारी है। सोमवार को रेजिडेंट्स ने कॉलेज परिसर में प्रशासन के खिलाफ रैली निकाली और पुतला दहन किया। रैली में कॉलेज प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। हड़ताल का असर अस्पतालों की सेवाओं पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। एमबी हॉस्पिटल, जनाना, सुपर स्पेशियलिटी विंग के साथ-साथ चांदपोल और सेटेलाइट हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है।

इधर डॉ. रवि शर्मा की मौत के चौथे दिन रविवार रात करीब 11:30 बजे उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से मकराना भेजा गया। एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में सैकड़ों रेजीडेंट डॉक्टर्स ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी। पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जहां सोमवार उनका अंतिम संस्कार किया गया। मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में करंट से हुई डॉ. रवि शर्मा की मौत मामले में दर्ज एफआईआर में गंभीर खुलासा हुआ है। रेजीडेंट्स ने पहले भी कई बार वाटर कूलर में करंट की शिकायत की थी। व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से हॉस्टल प्रशासन, अस्पताल और कॉलेज प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया था। रेजीडेंट्स ने दुर्घटना की आशंका भी जताई थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। न तो वाटर कूलर की मरम्मत कराई गई और न ही वहां कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया। प्रशासन की इसी लापरवाही के कारण डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से मौत हो गई। एफआईआर में ऐसे लापरवाह अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

चाचा जगदीश शर्मा के अनुसार डॉ. रवि शर्मा बचपन से ही मेधावी छात्र था। कोटा में दो साल की तैयारी के बाद दूसरे प्रयास में जोधपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला। अजमेर के जेएलएन मेडिकल कॉलेज से एनेस्थिसीया में पीजी में गोल्ड मैडल हासिल किया। परिवार के पहले डॉक्टर रवि की प्रेरणा से उनके चचेरे भाई डॉ. प्रशांत, डॉ. उज्जवल और डॉ. यश शर्मा भी डॉक्टर बने। मकराना में साड़ी की दुकान चलाने वाले पिता दिलीप शर्मा का वह इकलौता बेटा था। उनकी एक छोटी बहन कोमल शर्मा है। डॉ. रवि की एक डेढ़ साल और दूसरी 3 साल की बेटी है।

जानकारी के अनुसार 18 जून को आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में रात करीब 1:30 बजे डॉ रवि शर्मा की वाटर कूलर से करंट लगने से मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर आरएनटी मेडिकल कॉलेज के सभी हॉस्पिटल्स में करीब 600 से ज्यादा रेजिडेंट्स ने 19 जून से हड़ताल शुरू कर दी। 19 जून को ही डॉक्टर रवि शर्मा के शव का आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा गठित बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया। 20 जून डॉ रवि शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई जिसमें करंट लगने से मौत होने का कहीं भी जिक्र नहीं था।

रेजिडेंट्स चिकित्सकों की मांग पर 21 जून को एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर से डॉक्टर बुलाकर वापस शव का पोस्टमार्टम किया गया। जिसमें डॉक्टरों ने करंट के झटके लगने से शरीर में चोट लगने की आशंका जताई। इसको लेकर 22 जून को डॉक्टर रवि शर्मा के परिजनों ने हाथीपोल थाने में कॉलेज प्रशासन, हॉस्टल,अस्पताल प्रशासन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। साथ ही मृतक डॉक्टर के शव को परिजन अपने गृह क्षेत्र नागौर के मकराना लेकर रवाना हो गए। हादसे को लेकर रेजिडेंट्स की हड़ताल सोमवार को भी जारी रही। कॉलेज परिसर में रेजिडेंट्स द्वारा कॉलेज प्रशासन के शव के पुतले की अंतिम यात्रा निकाल कर उसको फूंका गया।

पथराव प्रकरण में पांच और गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की राजीव गांधी नगर पुलिस ने उम्मेद सागर बांध कैचमेंट एरिया में गत दिनों अतिक्रमण दस्ता, पीएचईडी जाब्ता और पुलिस पर पथराव करने वाले पांच और आरोपियों को अब गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। मामले में पांच आरोपियों को की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है। अब तक दस लोग प्रकरण में गिरफ्तार किए गए हैं। थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि उम्मेद सागर बांध कै चमेंट एरिया में गत दिनों अतिक्रमण हटाने गए पुलिस जाब्ता, नगर निगम अतिक्रमण दस्ता और पीएचईडी जाब्ते के साथ मारपीट करने और पथराव के प्रकरण में पांच और लोगों रेहान, सनीफ, सिकंदर, मो. साहिद और शिवचंद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी आस पास के एरिया और बासनी के रहने वाले है। इससे पहले प्रकरण में पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। मामले में मीडिया कर्मियों की तरफ से भी एक रिपोर्ट दी गई थी।

महिला टीचर के साथ महिलाओं ने मारपीट की

- मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला टीचर और उसके भाई के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट की शिकार टीचर ने अपनी मौसी, उनके परिवार की महिलाओं सहित अन्य सदस्यों पर घर में घुसकर मारपीट और डंडे से हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित टीचर ने अलवर गेट थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला टीचर के साथ मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पीड़िता टीचर ने पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सोमवार को परिवार के साथ एसपी वंदिता राणा से न्याय की गुहार लगाई है और मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अलवर गेट थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव मदारपुरा निवासी महिला टीचर नीतू रावत पुत्री शंकर सिंह ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए कुछ लोगों पर मारपीट व डंडों से हमला करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित महिला टीचर नीतू ने बताया कि 22 जून को शाम करीब 6:30 अपने घर से परचूनी की दुकान पर जा रही थी, तभी भंवरी देवी, लक्ष्मी, छोटी देवी, अनु के मकान के पास से गुजर रही थी तभी सभी महिलाओं ने एक राय होकर उस पर हमला कर दिया। पीड़िता नीतू ने बताया कि भंवरी देवी ने उसकी चोटी पकड़ कर बाल खींचा और सड़क पर उसे घसीटा, अन्य महिलाओं ने डंडों के साथ ही मारपीट की गई। भाई मोहित जब उसे बचाने आया और छुड़वाने का प्रयास किया तो महिलाओं ने उस पर भी डंडे से हमला कर दिया, जिसके सिर पर भी चोट आई है। सभी महिलाओं से उन्हें जान बचाकर वहां से भागना पड़ा था।

मालाणी एक्सप्रेस का खैरथल स्टेशन पर ठहराव 26 से

जोधपुर, (कासं)। रेल प्रशासन द्वारा मालाणी सुपरफास्ट ट्रेन का खैरथल स्टेशन पर ठहराव प्रारंभ किया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन 20487,बाड़मेर-दिल्ली मालाणी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्विसाप्ताहिक) जो 26 जून को बाड़मेर से प्रस्थान करेगी वह अगले दिन खैरथल स्टेशन पर सुबह 10 बजे आगमन कर 10.02 बजे प्रस्थान करेगी। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि इसी प्रकार वापसी में ट्रेन 20488,दिल्ली-बाड़मेर मालाणी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्विसाप्ताहिक) जो 27 जून को दिल्ली से प्रस्थान करेगी वह खैरथल स्टेशन पर शाम 6.02 बजे आगमन कर 6.04 बजे प्रस्थान करेगी।

आसाराम जोधपुर लौटे

जोधपुर, (कासं)। अपने ही आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू पुणे में आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज करवाकर जोधपुर लौट आये हैं। उसकी झलक पाने के लिए समर्थकों की भीड़ एयरपोर्ट पर उमड़ पड़ी। आसाराम बापू यहां से सीधे अपने आश्रम चले गये। आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से तीस जून तक अंतरिम जमानत मिली हुई है।

आनासागर चौपाटी के स्ट्रीट वेंडरों ने अदालत की शरण ली, सुनवाई आज

अजमेर, (कासं)। नई आना सागर चौपाटी रीजनल कॉलेज के सामने खड़े होकर अपनी आजीविका फास्ट फूड बेचकर कमाने वाले स्ट्रीट वेंडरों ने नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ अदालत की शरण ली है, इस मामले में मंगलवार को सुनवाई होगी।

स्ट्रीट वेंडरों ने अपने अधिवक्ता संजीव रोहिला व विवेक पाराशर के जरिए सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड नगर उत्तर ग्रीष्मकालीन न्यायालय में वाद पत्र व स्थगन प्रार्थना पत्र पेश कर अदालत से गुहार लगाई है कि वे करीब आठ वर्षों से उक्त स्थल पर बतौर स्ट्रीट वेंडर काम कर अपनी आजीविका कमा रहे हैं, जिसके लिए हजारों रुपए किराया नगर निगम को प्रतिमाह अदा कर रहे हैं, उसके अलावा फूड लाइसेंस के शुल्क अलग से अदा कर रहे हैं और रोज शाम छह बजे से रात्रि तक अपना व्यवसाय करते जिससे अपने परिवार की आजीविका पालते हैं। नगर निगम द्वारा वेंडिंग जोन का लाइसेंस सभी खाद्य सामग्री बेचने वाले स्टीट वेंडर को जारी कर रखा है और उनके द्वारा अधिकृत फूड लाइसेंस वह नगर निगम को प्रतिमा किराया अदा कर निर्धारित स्थल के नाप के अनुसार मौके स्थल पर काम कर अपने व अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। प्रस्तुत बाद में ये भी बताया गया कि राजस्थान स्ट्रीट वेंडर्स आजीविका संरक्षण एवं पत्र विक्रेता विनिमन स्कीम 2017 के नियमों की धज्जियां नगर निगम द्वारा उड़ाई जा रही है, जबकि उन्हें नई चौपाटी रीजनल को लेकर सामने काम करने की अनुमति विधिवत प्रदत्त कर रखी है और उन्हें जबरन यहां से हटाकर मित्तल हॉस्पिटल के सामने शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है और उन्हें मौके पर अतिक्रमण बताकर उन्हें अपने आजीविका के अधिकार से महरूम करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि जिस स्तर पर उन्हें अनुमति प्रदान की गई है।

शराबी को बचाने के चक्कर में बस पलटी, आधा दर्जन यात्री घायल

- बारिश के कारण मिट्टी फिसलन भरी हो गई थी, इससे बस सड़क किनारे ड्रेन में पलट गई

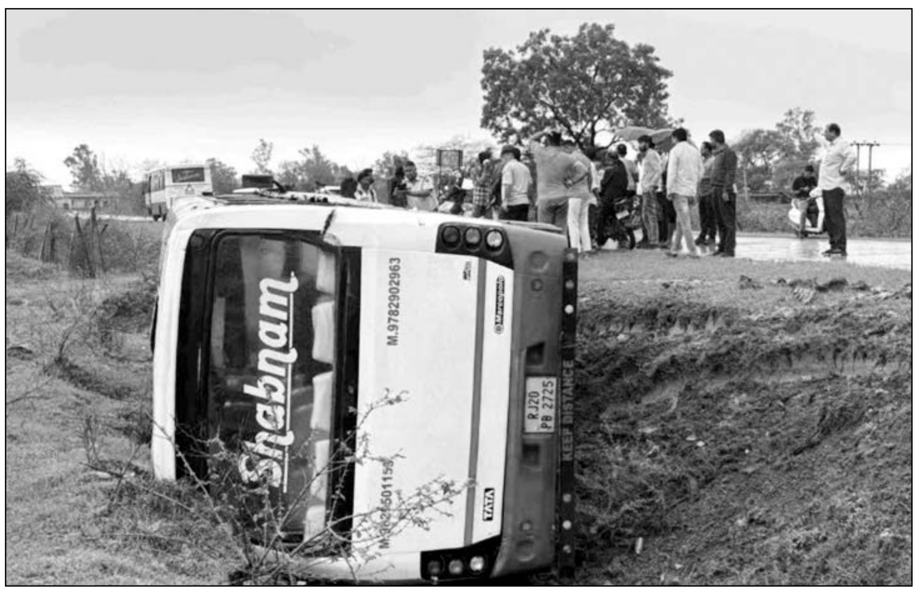

श्योपुर-कोटा स्टेट हाइवे 70 पर शराबी को बचाने के चक्कर में बस पलट गई।

कोटा, (निसं)। श्योपुर-कोटा स्टेट हाइवे 70 पर सोमवार दोपहर एक बस हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना कंवरपुरा के पास हुई। बस सुल्तानपुर से कोटा आ रही थी और इसमें तीन दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसा उस समय हुआ जब सड़क किनारे शराब पीकर लड़खड़ाता एक व्यक्ति अचानक बस के सामने आ गया। चालक ने उसे बचाने की कोशिश में बस को साइड में कर ब्रेक लगाए, लेकिन बारिश के कारण मिट्टी फिसलन भरी हो गई थी इससे बस सड़क किनारे ड्रेन में पलट गई। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहले सुल्तानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि यह मामला दीगोद थाने का था। ऐसे में दीगोद थाना पुलिस भी मौके पर बाद में आ गई और कार्रवाई शुरू की है।

दीगोद थाना अधिकारी पुरुषोत्तम मेहता ने बताया कि दुर्घटना कंवरपुरा के नजदीक दोपहर 12.15 बजे हुई। इसमें शराब के ठेके से शराब खरीद कर एक व्यक्ति सड़क पर आ गया था जिसने शराब भी पी हुई थी। पैदल व्यक्ति को बचाने के लिए बस चालक ने प्रयास किया। इसको बचाने के लिए बस को साइड में किया गया और ब्रेक लगाया था लेकिन बारिश की वजह से मिट्टी में बस स्लिप हो गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क के नजदीक ड्रेन में पलट गई। घटनास्थल पर यात्रियों की चीख पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने सभी यात्रियों को बाहर निकलना शुरू किया। दीगोद थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि अधिकांश यात्रियों को मामूली चोट लगी थी, जिन्हें अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद ही भेज दिया गया है। बस सुल्तानपुर से कोटा जा रही थी। इसमें मांगरोल निवासी समोल बाई के कंधे में ज्यादा चोट लगी है। इसके चलते उसे कोटा रैफर कर दिया है। इस पूरे मामले में जांच की जा रही है।

बीज-खाद के सैंपल जांच के लिये भेजे जायेंगे

- अनियमितता पाए जाने पर फर्मों को जुर्माना देना होगा

बीकानेर, (निसं)। यहां किसानों को नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स उपलब्ध कराने वाली फर्मों के सैंपल सोमवार को जांच के लिए प्रदेश की अलग-अलग लैब में भेजे जा रहे हैं। इन सैंपल के गड़बड़ मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गड़बड़ करने वाली फर्मों को बड़ी पैनल्टी के साथ ही कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि राज्यभर में सात लैब है, जहां बीज, खाद, पेस्टिसाइड्स की जांच हो सकती है। इनमें जयपुर के दुर्गापुरा, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ की लैब शामिल है। किस फर्म का कौनसा सैंपल, किस लैब को भेजा जाएगा, ये ऑनलाइन ही तय होता है। सोमवार को सभी सैंपल भेज दिए गए, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीकानेर में 11 हजार किलो उर्वरक, 1136 लीटर पेस्टिसाइड्स जब्त किया गया है। इनके सैंपल सोमवार को रवाना कर दिए। कुल 26 सैंपल लिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आने की उम्मीद की जा रही है।

श्रीगंगानगर रोड स्थित अनाज मंडी के सामने भूरा कॉम्पलेक्स में बीस से अधिक गोदाम व्यापारियों ने किराए पर ले रखे हैं। नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स के नमूने इन्हीं गोदामों से लिए गए हैं। सीज किए गए गोदाम फिलहाल प्रशासन के कब्जे में रहेंगे। यहां शिव शक्ति खाद बीज भंडार, मैसर्स अन्नदाता एग्रो एजेंसी, मैसर्स जेपी खाद बीज एजेंसी और जमींदारा कृषि सेवा सहकारी समिति के सात गोदामों के ताले तोड़कर तलाशी ली गई थी। जिन गोदामों में ये माल मिला है, उनके मालिकों पर भी प्रशासन कार्रवाई कर सकता है। इन गोदामों में ये सामान रखने की स्वीकृति प्रशासन से नहीं ली गई। किसी भी वस्तु के भंडारण के लिए स्थान बनाने से पहले स्वीकृति लेनी होती है। जिन फर्मों ने ये सामान रखा है, उन्होंने भी रिपोर्ट नहीं दी कि भंडारण किया गया है। ऐसे में भंडार मालिकों पर भी कार्रवाई हो सकती है। बड़ी मात्रा में बरामद किए गए कृषि सामान पर अब राज्य कर विभाग की नजर भी है। जो सामान अवैध रूप से भंडार किया गया है, उसकी खरीद हुई तो बिल है या नहीं? इसकी जांच हो सकती है। फिलहाल कर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है लेकिन जल्दी ही ये कार्रवाई हो सकती है।